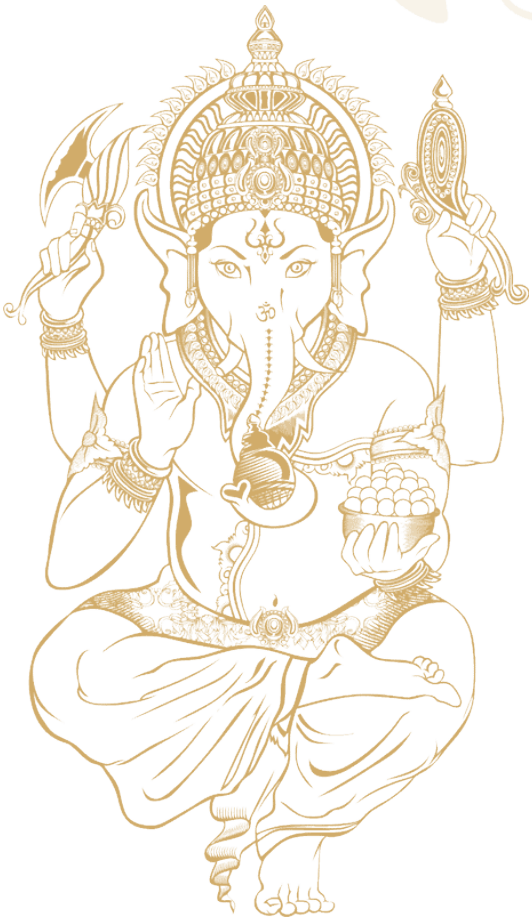

Anuj Kalia

01 Aug 1971

07:35 AM

Firozpur

Model: Web-VarshKundli

Order No: 121393701

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
01/08/1971	जन्म तिथि	**01/08/2026**
रविवार	दिन	शनिवार
घंटे 07:35:00	जन्म समय	13:08:00 घंटे
घटी 04:26:55	जन्म समय(घटी)	18:18:20 घटी
India	देश	India
Firozpur	स्थान	Firozpur
उत्तर 30:55:00	अक्षांश	30:55:00 उत्तर
पूर्व 74:38:00	रेखांश	74:38:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:28	स्थानिक संस्कार	-00:31:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:48:13	सूर्योदय	05:48:39
19:26:55	सूर्यास्त	19:26:23
23:27:49	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:52
सिंह	लग्न	तुला
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
वृश्चिक	राशि	कुम्भ
मंगल	राशि-स्वामी	शनि
विशाखा	नक्षत्र	शतभिषा
गुरु	नक्षत्र स्वामी	राहु
4	चरण	3
शुक्ल	योग	शोभन
तैतिल	करण	विष्टि
तो-तोरल	जन्म नामाक्षर	सी-सीमा
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
विप्र	वर्ण	शूद्र
कीटक	वश्य	मानव
व्याघ्र	योनि	अश्व
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	मेष
55	गत/तत्कालिक वर्ष	56

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व अ	ग्रह	व अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
मघा	2	06:22:37	सिंह		लग्न		तुला	17:45:34	4	स्वाति
पुष्य	4	14:44:00	कर्क		सूर्य		कर्क	14:51:45	4	पुष्य
विशाखा	4	03:01:55	वृश्चि		चंद्र		कुंभ	15:57:39	3	शतभिषा
धनिष्ठा	1	25:51:56	मक	व	मंगल		वृष	29:03:09	2	मृगशिरा
मघा	4	11:45:45	सिंह		बुध		मिथु	25:32:58	2	पुनर्वसु
विशाखा	4	03:12:52	वृश्चि		गुरु	अ	कर्क	12:48:04	3	पुष्य
पुष्य	2	07:23:59	कर्क		शुक्र		कन्या	00:09:30	2	उ०फाल्गुनी
रोहिणी	1	10:59:57	वृष		शनि	व	मीन	20:29:36	2	रेवती
श्रवण	4	21:06:27	मक	व	राहु		कुंभ	05:35:35	4	धनिष्ठा
आश्लेषा	2	21:06:27	कर्क	व	केतु		सिंह	05:35:35	2	मघा
हस्त	3	16:49:11	कन्या		मु		मीन	06:22:37	1	उ०भाद्रपद

वर्ष - विवरण

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:52

लग्न-चलित

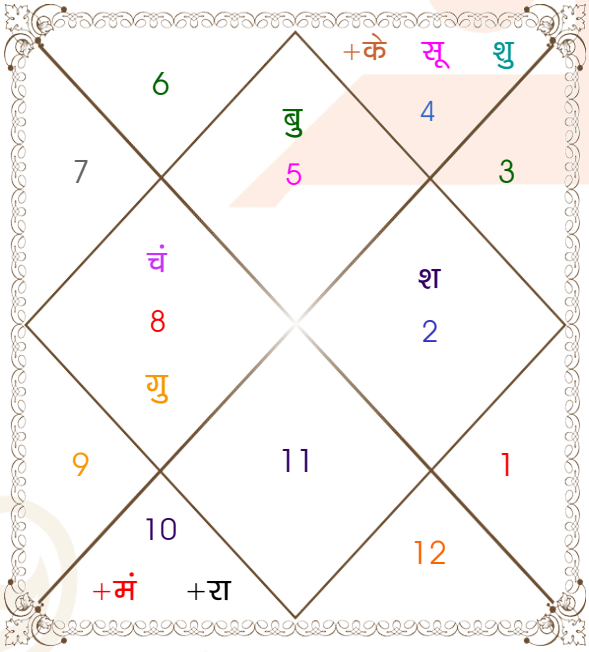

वर्ष लग्न कुंडली

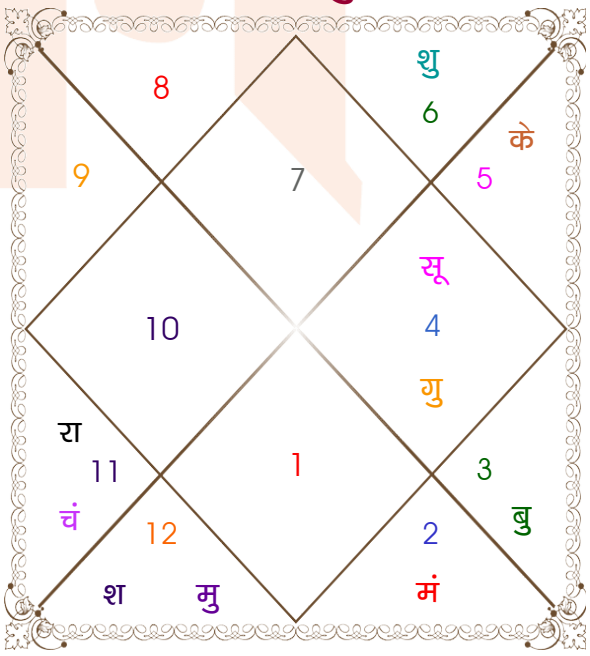

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

चन्द्र कुंडली

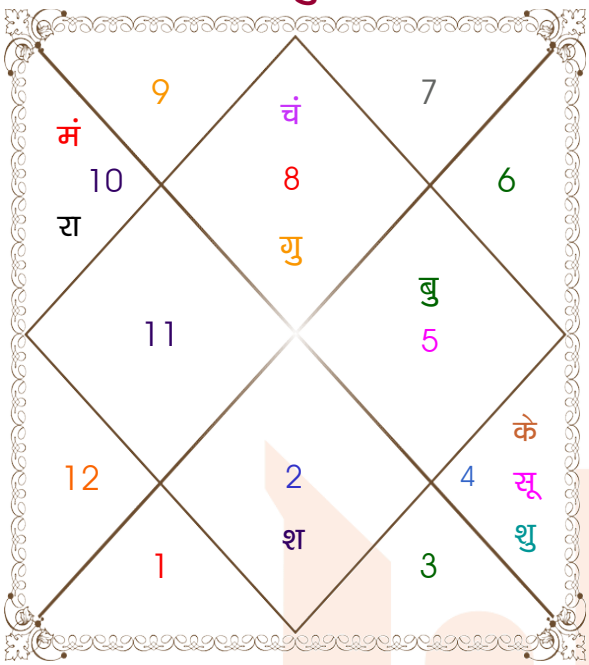

वर्ष चन्द्र कुंडली

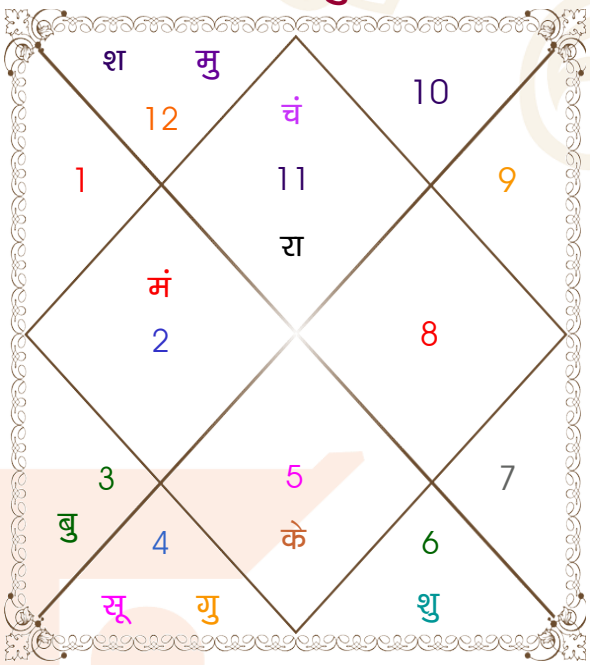

नवमांश कुंडली

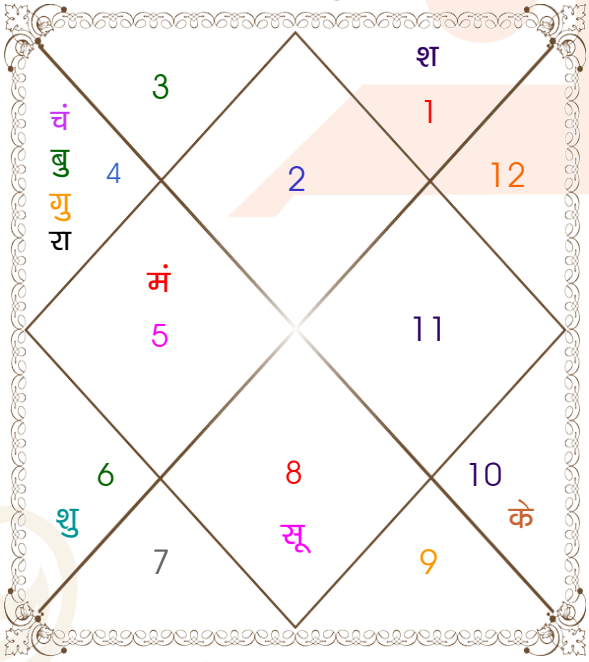

वर्ष नवमांश कुंडली

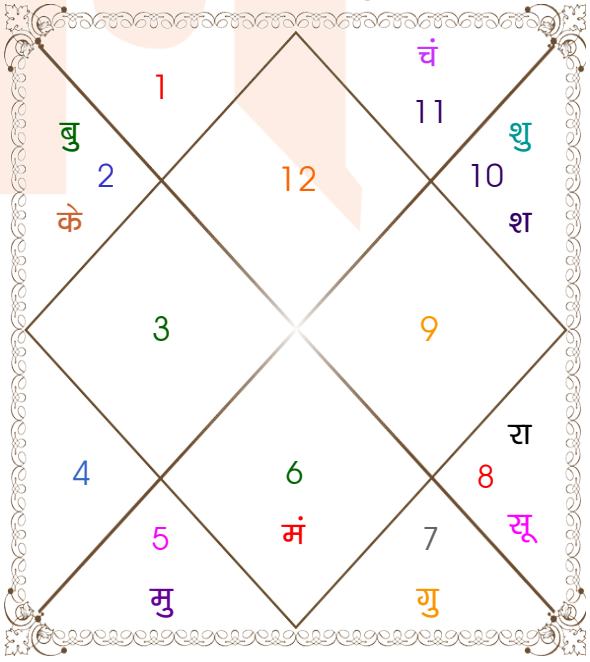

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	सम	मित्र	सम	शत्रु	मित्र	मित्र
चन्द्र	सम	---	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम
मंगल	मित्र	शत्रु	---	सम	मित्र	मित्र	मित्र
बुध	सम	मित्र	सम	---	सम	शत्रु	शत्रु
गुरु	शत्रु	सम	मित्र	सम	---	मित्र	मित्र
शुक्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	---	शत्रु
शनि	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	तुला	कर्क	कुंभ	वृष	मिथु	कर्क	कन्या	मीन
होरा	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह
द्रेष्काण	कुंभ	कन्या	मिथु	मक	सिंह	कन्या	सिंह	वृश्चि
चतुर्थांश	मेष	तुला	सिंह	कुंभ	मीन	तुला	कन्या	कन्या
पंचमांश	धनु	मीन	धनु	वृश्चि	तुला	मीन	वृष	मक
षष्ठांश	कर्क	धनु	कर्क	मीन	कन्या	धनु	तुला	कुंभ
सप्तमांश	कुंभ	मेष	वृष	वृष	वृश्चि	मीन	मीन	मक
अष्टमांश	सिंह	कर्क	धनु	मीन	वृश्चि	कर्क	वृष	तुला
नवमांश	मीन	वृश्चि	कुंभ	कन्या	वृष	तुला	मक	मक
दशमांश	मीन	कर्क	कर्क	तुला	कुंभ	कर्क	वृष	वृष
एकादशांश	मीन	वृश्चि	मिथु	कुंभ	कुंभ	तुला	सिंह	कन्या
द्वादशांश	वृष	धनु	सिंह	मेष	मेष	धनु	कन्या	वृश्चि

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सम	सम	मित्र	स्व	सम	शत्रु	मित्र
होरा	सम	स्व	मित्र	मित्र	सम	सम	मित्र
द्रेष्काण	सम	मित्र	मित्र	सम	सम	मित्र	मित्र
चतुर्थांश	मित्र	सम	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु
पंचमांश	शत्रु	सम	स्व	शत्रु	स्व	स्व	स्व
षष्ठांश	शत्रु	स्व	मित्र	स्व	स्व	स्व	स्व
सप्तमांश	मित्र	सम	मित्र	सम	स्व	मित्र	स्व
अष्टमांश	सम	सम	मित्र	सम	सम	स्व	शत्रु
नवमांश	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	स्व
दशमांश	सम	स्व	मित्र	शत्रु	सम	स्व	शत्रु
एकादशांश	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु
द्वादशांश	शत्रु	सम	स्व	सम	स्व	शत्रु	मित्र
शुभ	4	5	11	3	7	7	8
सम	5	7	1	5	5	1	0
अशुभ	3	0	0	4	0	4	4
कुल	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	5	5	0	0
तृतीय बल	5	0	0	5	5	0	0
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	10	0	5	10	15	0	0
बल	सामान्य	अतिक्षीण	क्षीण	सामान्य	बली	अतिक्षीण	अतिक्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	15.00	15.00	22.50	30.00	15.00	7.50	22.50
उच्च बल	9.46	11.44	6.55	11.17	19.13	2.98	3.28
हददा बल	7.50	7.50	15.00	3.75	11.25	3.75	11.25
द्रेष्काण	5.00	7.50	7.50	5.00	5.00	7.50	7.50
नवमांश	3.75	2.50	2.50	1.25	3.75	1.25	5.00
कुल	40.71	43.94	54.05	51.17	54.13	22.98	49.53
विंशोपक	10.18	10.99	13.51	12.79	13.53	5.75	12.38
बल	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	सामान्य	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	सूर्य	10.18	अशुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	शुक्र	5.75	दृष्टि नहीं	
मुन्था लग्नाधिपति	गुरु	13.53	अशुभ	गुरु
दिवापति	चंद्र	10.99	अतिशुभ	
त्रिराशिपति	बुध	12.79	अतिशुभ	

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

पात्यंश दशा

शुक्र		गुरु		सूर्य		चंद्र		लग्न	
01/08/2026		03/08/2026		09/01/2027		04/02/2027		18/02/2027	
03/08/2026		09/01/2027		04/02/2027		18/02/2027		12/03/2027	
	01/08/2026	गुरु	11/10/2026	सूर्य	11/01/2027	चंद्र	04/02/2027	लग्न	19/02/2027
गुरु	02/08/2026	सूर्य	22/10/2026	चंद्र	12/01/2027	लग्न	05/02/2027	शनि	21/02/2027
सूर्य	02/08/2026	चंद्र	28/10/2026	लग्न	13/01/2027	शनि	07/02/2027	बुध	25/02/2027
चंद्र	02/08/2026	लग्न	07/11/2026	शनि	16/01/2027	बुध	09/02/2027	मंगल	28/02/2027
लग्न	02/08/2026	शनि	22/11/2026	बुध	20/01/2027	मंगल	11/02/2027	शुक्र	28/02/2027
शनि	02/08/2026	बुध	20/12/2026	मंगल	23/01/2027	शुक्र	11/02/2027	गुरु	10/03/2027
बुध	03/08/2026	मंगल	08/01/2027	शुक्र	24/01/2027	गुरु	17/02/2027	सूर्य	11/03/2027
मंगल	03/08/2026	शुक्र	09/01/2027	गुरु	04/02/2027	सूर्य	18/02/2027	चंद्र	12/03/2027

शनि		बुध		मंगल		मंगल		मंगल	
12/03/2027		16/04/2027		18/06/2027		18/06/2027		18/06/2027	
16/04/2027		18/06/2027		01/08/2027		01/08/2027		01/08/2027	
शनि	16/03/2027	बुध	27/04/2027	मंगल	24/06/2027	मंगल	24/06/2027	मंगल	24/06/2027
बुध	22/03/2027	मंगल	04/05/2027	शुक्र	24/06/2027	शुक्र	24/06/2027	शुक्र	24/06/2027
मंगल	26/03/2027	शुक्र	05/05/2027	गुरु	13/07/2027	गुरु	13/07/2027	गुरु	13/07/2027
शुक्र	26/03/2027	गुरु	01/06/2027	सूर्य	16/07/2027	सूर्य	16/07/2027	सूर्य	16/07/2027
गुरु	10/04/2027	सूर्य	06/06/2027	चंद्र	18/07/2027	चंद्र	18/07/2027	चंद्र	18/07/2027
सूर्य	12/04/2027	चंद्र	08/06/2027	लग्न	20/07/2027	लग्न	20/07/2027	लग्न	20/07/2027
चंद्र	14/04/2027	लग्न	12/06/2027	शनि	25/07/2027	शनि	25/07/2027	शनि	25/07/2027
लग्न	16/04/2027	शनि	18/06/2027	बुध	01/08/2027	बुध	01/08/2027	बुध	01/08/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

शनि		बुध		केतु		शुक्र		सूर्य	
01/08/2026		28/09/2026		19/11/2026		10/12/2026		09/02/2027	
28/09/2026		19/11/2026		10/12/2026		09/02/2027		27/02/2027	
शनि	10/08/2026	बुध	05/10/2026	केतु	20/11/2026	शुक्र	20/12/2026	सूर्य	10/02/2027
बुध	18/08/2026	केतु	08/10/2026	शुक्र	23/11/2026	सूर्य	23/12/2026	चंद्र	11/02/2027
केतु	22/08/2026	शुक्र	17/10/2026	सूर्य	24/11/2026	चंद्र	28/12/2026	मंगल	12/02/2027
शुक्र	31/08/2026	सूर्य	19/10/2026	चंद्र	26/11/2026	मंगल	01/01/2027	राहु	15/02/2027
सूर्य	03/09/2026	चंद्र	24/10/2026	मंगल	27/11/2026	राहु	10/01/2027	गुरु	17/02/2027
चंद्र	08/09/2026	मंगल	27/10/2026	राहु	01/12/2026	गुरु	18/01/2027	शनि	20/02/2027
मंगल	11/09/2026	राहु	04/11/2026	गुरु	04/12/2026	शनि	28/01/2027	बुध	23/02/2027
राहु	20/09/2026	गुरु	10/11/2026	शनि	07/12/2026	बुध	05/02/2027	केतु	24/02/2027
गुरु	28/09/2026	शनि	19/11/2026	बुध	10/12/2026	केतु	09/02/2027	शुक्र	27/02/2027

चंद्र		मंगल		राहु		गुरु		गुरु	
27/02/2027		30/03/2027		20/04/2027		14/06/2027		14/06/2027	
30/03/2027		20/04/2027		14/06/2027		01/08/2027		01/08/2027	
चंद्र	02/03/2027	मंगल	31/03/2027	राहु	28/04/2027	गुरु	20/06/2027	गुरु	20/06/2027
मंगल	03/03/2027	राहु	03/04/2027	गुरु	05/05/2027	शनि	28/06/2027	शनि	28/06/2027
राहु	08/03/2027	गुरु	06/04/2027	शनि	14/05/2027	बुध	05/07/2027	बुध	05/07/2027
गुरु	12/03/2027	शनि	09/04/2027	बुध	22/05/2027	केतु	08/07/2027	केतु	08/07/2027
शनि	17/03/2027	बुध	12/04/2027	केतु	25/05/2027	शुक्र	16/07/2027	शुक्र	16/07/2027
बुध	21/03/2027	केतु	13/04/2027	शुक्र	03/06/2027	सूर्य	18/07/2027	सूर्य	18/07/2027
केतु	23/03/2027	शुक्र	17/04/2027	सूर्य	06/06/2027	चंद्र	22/07/2027	चंद्र	22/07/2027
शुक्र	28/03/2027	सूर्य	18/04/2027	चंद्र	10/06/2027	मंगल	25/07/2027	मंगल	25/07/2027
सूर्य	30/03/2027	चंद्र	20/04/2027	मंगल	14/06/2027	राहु	01/08/2027	राहु	01/08/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - गुरु - बुध		शुक्र - गुरु - केतु		शुक्र - गुरु - शुक्र		शुक्र - गुरु - सूर्य	
20/11/2025 14:10		07/04/2026 13:46		03/06/2026 09:22		12/11/2026 17:22	
07/04/2026 13:46		03/06/2026 09:22		12/11/2026 17:22		31/12/2026 10:10	
बुध	10/12/2025 03:18	केतु	10/04/2026 21:18	शुक्र	30/06/2026 10:42	सूर्य	15/11/2026 03:48
केतु	18/12/2025 04:29	शुक्र	20/04/2026 08:34	सूर्य	08/07/2026 13:30	चंद्र	19/11/2026 05:12
शुक्र	10/01/2026 04:25	सूर्य	23/04/2026 04:45	चंद्र	22/07/2026 02:10	मंगल	22/11/2026 01:23
सूर्य	17/01/2026 02:00	चंद्र	27/04/2026 22:23	मंगल	31/07/2026 13:26	राहु	29/11/2026 08:42
चंद्र	28/01/2026 13:58	मंगल	01/05/2026 05:56	राहु	24/08/2026 21:50	गुरु	05/12/2026 20:33
मंगल	05/02/2026 15:08	राहु	09/05/2026 18:28	गुरु	15/09/2026 13:18	शनि	13/12/2026 13:36
राहु	26/02/2026 07:53	गुरु	17/05/2026 08:17	शनि	11/10/2026 06:10	बुध	20/12/2026 11:11
गुरु	16/03/2026 17:26	शनि	26/05/2026 08:11	बुध	03/11/2026 06:06	केतु	23/12/2026 07:22
शनि	07/04/2026 13:46	बुध	03/06/2026 09:22	केतु	12/11/2026 17:22	शुक्र	31/12/2026 10:10

शुक्र - गुरु - चंद्र		शुक्र - गुरु - मंगल		शुक्र - गुरु - राहु		शुक्र - शनि - शनि	
31/12/2026 10:10		22/03/2027 14:10		18/05/2027 09:46		11/10/2027 12:10	
22/03/2027 14:10		18/05/2027 09:46		11/10/2027 12:10		11/04/2028 15:20	
चंद्र	07/01/2027 04:30	मंगल	25/03/2027 21:42	राहु	09/06/2027 07:43	शनि	09/11/2027 12:04
मंगल	11/01/2027 22:08	राहु	03/04/2027 10:15	गुरु	28/06/2027 19:15	बुध	05/12/2027 10:43
राहु	24/01/2027 02:20	गुरु	11/04/2027 00:04	शनि	21/07/2027 22:25	केतु	16/12/2027 03:06
गुरु	03/02/2027 22:04	शनि	19/04/2027 23:58	बुध	11/08/2027 15:10	शुक्र	15/01/2028 15:38
शनि	16/02/2027 18:30	बुध	28/04/2027 01:08	केतु	20/08/2027 03:42	सूर्य	24/01/2028 19:23
बुध	28/02/2027 06:28	केतु	01/05/2027 08:41	शुक्र	13/09/2027 12:06	चंद्र	09/02/2028 01:39
केतु	05/03/2027 00:06	शुक्र	10/05/2027 19:57	सूर्य	20/09/2027 19:25	मंगल	19/02/2028 18:02
शुक्र	18/03/2027 12:46	सूर्य	13/05/2027 16:08	चंद्र	02/10/2027 23:37	राहु	18/03/2028 05:19
सूर्य	22/03/2027 14:10	चंद्र	18/05/2027 09:46	मंगल	11/10/2027 12:10	गुरु	11/04/2028 15:20

शुक्र - शनि - बुध		शुक्र - शनि - केतु		शुक्र - शनि - शुक्र		शुक्र - शनि - सूर्य	
11/04/2028 15:20		22/09/2028 11:52		28/11/2028 23:08		09/06/2029 17:38	
22/09/2028 11:52		28/11/2028 23:08		09/06/2029 17:38		06/08/2029 13:35	
बुध	04/05/2028 20:27	केतु	26/09/2028 10:19	शुक्र	31/12/2028 02:13	सूर्य	12/06/2029 15:02
केतु	14/05/2028 09:51	शुक्र	07/10/2028 16:12	सूर्य	09/01/2029 17:33	चंद्र	17/06/2029 10:42
शुक्र	10/06/2028 17:16	सूर्य	11/10/2028 01:10	चंद्र	25/01/2029 19:05	मंगल	20/06/2029 19:40
सूर्य	18/06/2028 21:53	चंद्र	16/10/2028 16:06	मंगल	06/02/2029 00:58	राहु	29/06/2029 11:51
चंद्र	02/07/2028 13:36	मंगल	20/10/2028 14:34	राहु	06/03/2029 22:57	गुरु	07/07/2029 04:55
मंगल	12/07/2028 03:00	राहु	30/10/2028 17:27	गुरु	01/04/2029 15:49	शनि	16/07/2029 08:40
राहु	05/08/2028 16:53	गुरु	08/11/2028 17:21	शनि	02/05/2029 04:20	बुध	24/07/2029 13:18
गुरु	27/08/2028 13:13	शनि	19/11/2028 09:45	बुध	29/05/2029 11:46	केतु	27/07/2029 22:16
शनि	22/09/2028 11:52	बुध	28/11/2028 23:08	केतु	09/06/2029 17:38	शुक्र	06/08/2029 13:35

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा मानसिक रूप से आप कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं चंचलता का भाव भी विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय मध्यम रहेगी तथा पारिवारिक जनों से सामान्य सहयोग मिलता रहेगा। संतति पक्ष से भी आप सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। ज्ञानार्जन में इस समय आपकी पूर्ण रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक विभिन्न शास्त्रों का अध्ययन करने या वैज्ञानिक शोध कार्य के प्रति आपका विशेष ध्यान रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में सामान्य श्रद्धा रहेगी तथा अवसरानुकूल आप धार्मिक कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क या तीर्थ यात्रा की भी संभावना रहेगी। इस समय आपके कार्य बुद्धिमता तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा लोग आप पर काफी विश्वास रखेंगे जिससे सामाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए समय मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष से आपको सफलता मिलेगी। साथ ही लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति होगी परन्तु इस समय आप आवास या स्थान संबधी परिवर्तन भी कर सकते हैं। शत्रु या विरोधी पक्ष भी यद्यपि समस्याएं उत्पन्न करेंगे परन्तु अन्त में उन पर विजय प्राप्त करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय सामान्यतया अच्छी रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। साथ ही अल्प मात्रा में कोई विशेष लाभ भी हो सकता है। अतः यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि परिश्रम से ही कार्यो कलापों में सिद्धि प्राप्त हो सकेगी।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ तथा परेशान रहेंगे फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करने में आपको असुविधा रहेगी। साथ ही आपको कई बार अपने ही कार्यो से हानि भी हो सकती है जिससे आपको बाद में पछतावा होगा। इस समय मित्र एवं संबधियों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा उनसे तनाव तथा कलह का वातावरण रहेगा फलतः उनसे आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। इस वर्ष में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम एवं पराकम से ही सफल होंगे परन्तु यह सफलता भी आंशिक रहेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा चिन्तित रहेंगे।

इस समय आपके शत्रु भी अधिक मात्रा में उत्पन्न होंगे तथा उनसे आप अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान प्राप्त करेंगे। साथ ही घर में किसी प्रकार की चोरी आदि की भी संभावना रहेगी ।अतः ऐसे समय में आपको सावधान रहना चाहिए। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको विशेष लाभ एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपका व्यय भी अधिक होगा तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी व्यवधान रहेगा एवं विगत रूके हुए कार्यो में भी असफलता मिलेगी । इस समय आपके मन में भ्रान्तियां भी अधिक होंगी फलतः अन्य जनों से विवाद होता रहेगा। अतः इस वर्ष को संयम एवं धैर्यपूर्वक व्यतीत करें।

मासिक फलादेश

प्रथम मास
01/08/2026 13:08:00 से 31/08/2026 23:39:03 तक

इस मास में आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ तथा दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही आपके शत्रु भी उत्पन्न होंगे जिससे अनावश्यक चिन्ताएं तथा समस्याएं बढ़ेंगी। इस समय चोरों से भी सावधान रहना चाहिए तथा अपने उच्चाधिकारी वर्ग की भी उपेक्षा न करें अन्यथा आप दंडित हो सकते हैं। इस मास में आपको सांसारिक कार्यों में भी असफलता मिलेगी तथा धन भी अनावश्यक रूप से व्यय होगा। इसके साथ ही आप किसी गलत कार्य को करने के लिए भी प्रेरित होंगे तथा ऐसे कार्यों को करके आप बाद में पश्चाताप करेंगे। अपने सम्बन्धियों से भी आपकी अनबन हो सकती है तथा मान हानि का भी योग बनता है एवं आशाओं में भी असफलता प्राप्त होगी।

परन्तु उपरोक्त अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में अल्प मात्रा में शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप स्त्री से सुखी , बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि तथा अन्य प्रकार के सुख प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव विद्यमान रहेगा तथा किसी धार्मिक कार्य को भी सम्पन्न करेंगे।

द्वितीय मास
31/08/2026 23:39:03 से 01/10/2026 10:10:06 तक

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्व व्यतीत करेंगे। इस समय स्त्री वर्ग से आप पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करेंगे। आपका स्वास्थ्य इस मास अच्छा रहेगा तथा किसी भी प्रकार से शारीरिक या मानसिक अस्वस्थता नहीं रहेगी। अध्ययन या ज्ञानार्जन में आपकी रूचि बढ़ेगी तथा मित्र वर्ग से सम्बन्धों में मधुरता रहेगी एवं उनका पूर्ण सहयोग प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही वांछित द्रव्य पदार्थों का उपभोग करके आप प्रसन्नता को प्राप्त करेंगेत संतति पक्ष से भी आपको शुभ फल ही प्राप्त होंगे तथा किसी प्रकार से चिन्ता नहीं रहेगी। मित्रों तथा सम्बन्धियों में आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी सफलता अर्जित होगी। फलतः आप आनंदपूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगे।

इसके साथ ही आप पुत्र एवं स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा विद्याध्ययन में भी उन्नति होगी। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्रों या द्रव्य आदि की भी आपको उपलब्धि हो सकती है। इस प्रकार आप शान्ति एवं प्रसन्नतापूर्वक इस मास को व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

तृतीय मास
01/10/2026 10:10:06 से 31/10/2026 20:41:09 तक

यह मास आपके लिए विशेष शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा। इस मास में आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य आप अपनी बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे एवं पुत्र सुख भी आपको प्राप्त होगा। आपके प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी एवं सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को मन से स्वीकार करेंगे। इस मास आपके शुभ कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा किसी शुभ समाचार को भी प्राप्त करेंगे। देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा इनका आप यथोचित सम्मान एवं पूजन करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप यथोचित लाभ अर्जित करने में भी सफल सिद्ध होंगे एवं समाज से पूर्ण मान प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे।अतः मानसिक रूप से पूर्ण प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख अर्जित करेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से आवश्यक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने में भी सफल रहेंगे। धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक कार्य कम का आयोजन करने में भी आप प्रवृत होंगे।

चतुर्थ मास
31/10/2026 20:41:09 से 01/12/2026 07:12:12 तक

इस मास में आप अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल ही अधिक मात्रा में अर्जित करेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र, नौकरी या व्यापार में उन्नति होगी तथा समाजिक क्षेत्र में यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे तथा वे सभी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धु जनों से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे तथा परस्पर आपको उचित सहयोग मिलता रहेगा। आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे जो काफी समय से रूके हुए थे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा इनकी पूजा तथा सेवा करने में भी आप तत्पर रहेंगे। सन्तति पक्ष से आप सुखी रहेंगे तथा बन्धुबान्धवों में भी आदर एवं प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। साथ ही आप अपनी असफल आशाओं में भी इस समय सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरक्त मानसिक रूप से भी आप पूर्ण शान्त एवं प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में अशुभ फल भी होंगे अतः आप गर्मी या पित्त दोष से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रक्त विकार भी हो सकता है। अतः सावधानी पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें एवं शारीरिक सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें।

पंचम् मास
01/12/2026 07:12:12 से 31/12/2026 17:43:15 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की वृद्धि होगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगे। इस मास आप संतति पक्ष से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करने में भी सफल रहेंगे। इस समय आपके प्रभुत्व में भी वृद्धि होगी तथा अन्य लोग आपके प्रभुत्व को हृदय से स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा किसी शुभ समाचार को भी प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों की भी आप श्रद्धा पूर्वक पूजन एवं सम्मान करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे।साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा आपकी मनोकामनाएं पूर्ण होगी फलतः मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप पुत्र तथा स्त्री से भी वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे तथा नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आप प्राप्ति कर सकते है। इस प्रकार आपका यह मास सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत होगा।

षष्ठ मास
31/12/2026 17:43:15 से 31/01/2027 04:14:18 तक

इस मास में आप अपने कार्य क्षेत्र में विशेष सफलता तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही आपके अधिकारी तथा वरिष्ठ सहयोगी भी आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आप पदोन्नति के अधिक अवसर प्राप्त करेंगे। बन्धु तथा मित्र वर्ग से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करेंगे तथा उनकी भलाई के कार्यो के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सफल होंगे अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे तथा आपकी ख्याति भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगी। साथ ही अन्य प्रकार से भी लाभार्जन होता रहेगा। इसके अतिरिक्त इस महीने आप नवीन गृह या स्थान की प्राप्ति भी कर सकते है तथा आपकी मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप अन्य प्रकार से सुख तथा ऐश्वर्य अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा सुख पूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगे।

सप्तम् मास
31/01/2027 04:14:18 से 02/03/2027 14:45:21 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल प्रदाता रहेगा तथा अशुभ फल भी न्यूनाधिक रूप से होते रहेंगे। इस समय आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में आप पुत्र से सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से भी लाभ अर्जित करेंगे। आपके सामाजिक प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करके आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। इस मास में आपके महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण होंगे तथा कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना भी उत्पन्न होगी तथा नियम पूर्वक इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप अनुकूल एवं वांछित सहयोग तथा सम्मान भी अर्जित करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से भी आप मुक्त होंगे।

परन्तु शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा गिरेगी एवं आपको इसके लिए पश्चाताप करना पड़ेगा। इस समय आप अग्नि द्वारा भी किसी प्रकार की धन हानि को प्राप्त करेंगे। अतः सोच समझकर अपने सभी कार्यों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास
02/03/2027 14:45:21 से 02/04/2027 01:16:24 तक

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ तथा भाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। साथ ही आपके धर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होगा।संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव रहेगा एवं श्रद्धा पूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। समाज में इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा। इस मास में आपकी लाभ दायक यात्रा का योग भी बनेगा। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सम्मान तथा सहयोग भी अर्जित करेंगे। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा समाज में आप एक सम्माननीय तथा प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला वर्ग से पूर्ण सहयोग एवं लाभार्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आपको प्रचुर मात्रा में धनार्जन भी होगा तथा सुख साधनों को भी आप अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आपकी रूचि रहेगी तथा समाज में पूर्ण यश एवं प्रतिष्ठा व्याप्त रहेगी।

नवम् मास
02/04/2027 01:16:24 से 02/05/2027 11:47:27 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक घटित होंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। आपका शत्रुपक्ष इस समय प्रबल रहेगा अतः उनकी ओर से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में न्यूनता आएगी या कोई अन्य कार्य छूट सकता या बन्द हो सकता है। साथ ही कार्यक्षेत्र में किसी प्रकार के परिवर्तन होने की भी संभावना रहेगी। समाज में अन्य जनों से आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा परस्पर विवाद एवं वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे समाजिक मान सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि के योग भी बनते है तथा शरीर में किसी प्रकार का रोग भी उत्पन्न हो सकता है। अतः सावधानी एवं बुद्धिमता से समय को व्यतीत करें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः आप स्त्री एवं पुत्र से सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनसे आपको कोई कष्ट नहीं होगा। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या कीमती द्रव्यों को भी प्राप्त कर सकते है। इससे आप मानसिक प्रसन्नता की प्राप्ति कर सकेंगे।

दशम् मास
02/05/2027 11:47:27 से 01/06/2027 22:18:30 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा आपके उच्चाधिकारी वग! आपसे पूर्ण प्रसतथा सन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही आपके घर में कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न होगा। संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग मिलेगा तथा इनकी ओर से आप निश्चिन्त रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। समाज में इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे।साथ ही आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा तथा आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी कर सकते है। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सम्मान तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस प्रकार सर्वत्र आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अपनी बुद्धिमता से प्रचुरमात्रा में धन एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति आप श्रद्धालु होंगे एवं धर्मानुपालन में तत्पर रहेंगे जिससे समाज में आपके सम्मान में अभिवृद्धि होगी।

एकादश मास
01/06/2027 22:18:30 से 02/07/2027 08:49:33 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही दुश्मन भी बलवान रहेंगे अतः उनकी ओर से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस मास में आपके कार्य क्षेत्र में न्यूनता रहेगी तथा कार्य क्षेत्र में परिवर्तन या कोई कार्य छूट सकता है या बंद भी हो सकता है। साथ ही समाज में अन्य जनों से आपके विशेष मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी धन हानि होने की संभावना रहेगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है। अतः सावधानी तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी प्राप्त होंगे। इससे आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे एवं उच्चाधिकारी वर्ग से भी न्यूनाधिक सहयोग मिलता रहेगा। इसके साथ ही इस समय आप अपनी बुद्धिमता से धनार्जन एवं सुख प्राप्त करने में सफलता अर्जित कर सकेंगे।

द्वादश मास
02/07/2027 08:49:33 से 01/08/2027 19:20:36 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आप अपने कार्य क्षेत्र में विशेष सफलता प्राप्त करेंगे तथा आपके उच्चाधिकारी वर्ग भी प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। अतः आप उन्नति की ओर अग्रसर होंगे।साथ ही बन्धु तथा मित्र वर्ग से मधुर तथा घनिष्ठ संबध रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा तथा दूसरे लोगों की भलाई के कार्यो में भी आप तत्पर रहेंगे। आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इसी मास में सम्पन्न होंगे।अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। इस समय सामाजिक जनों के मध्य आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता तथा प्रभुता को मन से स्वीकार करेंगे। आपकी कीर्ति भी दूर दूर तक फैलेगी तथा अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन होता रहेगा। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन गृह की प्राप्ति या स्थान परिवर्तन भी कर सकते हैं। साथ ही आपकी मनोकामनाएं भी पूर्ण होंगी।

साथ ही इस मास में स्त्री तथा पुत्र से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा नवीन वस्त्रों की प्राप्ति या वस्तुओं को अर्जित कर सकते है। इस प्रकार आप आनन्द पूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगे।